अनुक्रमांक .... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम ....

102 **302 (DH)**

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है ? *1*
   - (i) कहानी (ii) आत्मकथा
   - (iii) डायरी (iv) जीवनी

   (ख) 'घुमक्कड़ शास्त्र' के लेखक हैं : *1*
   - (i) राहुल सांकृत्यायन (ii) विद्यानिवास मिश्र
   - (iii) प्रेमचन्द (iv) नागार्जुन

   (ग) निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास जैनेंद्र द्वारा लिखित है ? *1*
   - (i) 'इरावती' (ii) 'ऋतुचक्र'
   - (iii) 'सुनीता' (iv) 'निर्मला'

   (घ) 'ब्राह्मण' पत्र का सम्पादन किया था : *1*
   - (i) भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने (ii) 'प्रेमघन' ने
   - (iii) प्रतापनारायण मिश्र ने (iv) बालकृष्ण भट्ट ने

   (ङ) 'चिंतामणि' रचना के लेखक हैं : *1*
   - (i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) रामचंद्र शुक्ल
   - (iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी (iv) डॉ. नगेन्द्र

https://www.upboardonline.com

2. (क) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है : 1

(i) 'कामायनी' (ii) 'वैदेही-वनवास'

(iii) 'कश्मीर सुषमा' (iv) 'प्रेम माधुरी'

(ख) 'सरोज-स्मृति' कविता के रचनाकार हैं : 1

(i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सुमित्रानंदन पंत (iv) महादेवी वर्मा

(ग) 'उपमान मैले हो गए हैं' किसकी काव्यपंक्ति है ? 1

(i) त्रिलोचन शास्त्री की (ii) 'नागार्जुन' की

(iii) मुक्तिबोध की (iv) 'अज्ञेय' की

(घ) 'एकांतवासी योगी' किसकी रचना है ? 1

(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) श्रीधर पाठक

(iii) बालमुकुंद गुप्त (iv) भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ङ) हिन्दी काव्य के किस कालखण्ड को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' कहा गया है ? 1

(i) 'प्रगतिवाद' (ii) 'छायावाद'

(iii) 'प्रयोगवाद' (iv) 'नयी कविता'

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं । आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद-भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है । यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किंतु आंतरिक आनंद की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है । जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनंदित होता है । इस प्रकार की उदार-भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) राष्ट्रीय जन अपने मानसिक भावों को किन रूपों में प्रकट करते हैं ?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(घ) आंतरिक आनंद की दृष्टि से किनमें एकसूत्रता है ?

(ङ) कौन-सी भावना राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है ?

अथवा

https://www.upboardonline.com

पुष्पित अशोक को देखकर मेरा मन उदास हो जाता है । इसलिए नहीं कि सुंदर वस्तुओं को हतभाग्य समझने में मुझे कोई विशेष रस मिलता है । कुछ लोगों को मिलता है । वे बहुत दूरदर्शी होते हैं । जो भी सामने पड़ गया, उसके जीवन के अंतिम मुहूर्त तक का हिसाब वे लगा लेते हैं । मेरी दृष्टि उतनी दूर तक नहीं जाती । फिर भी मेरा मन इस फूल को देखकर उदास हो जाता है । असली कारण तो मेरे अंतर्यामी ही जानते होंगे, कुछ थोड़ा-सा मैं भी अनुमान कर सकता हूँ ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) गद्यांश के लेखक ने स्वयं के बारे में क्या कहा है ?

(घ) प्रस्तुत गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'अंतर्यामी' और 'दूरदर्शी' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *5×2=10*

विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली !

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) कवयित्री अपने जीवन की तुलना किसके साथ करती है ?

(घ) उपर्युक्त अंश में कौन-सा रस है ?

(ङ) यह पद्यांश किस भावना को प्रकट करता है ?

अथवा

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन,
तुम आत्मा के मन के मनोज !
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र-ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज !

https://www.upboardonline.com

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) साधारण मनुष्य संसार में क्या खोजता है ?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(घ) 'पशुता का पंकज' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(ङ) 'स्पर्धा' और 'नम्र-ओज' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) *3+2=5*

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(iii) हरिशंकर परसाई

(ख) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : *3+2=5*

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) सुमित्रानंदन पंत

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'ध्रुवयात्रा' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी ***एक*** खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

(क) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के नायक 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

खण्ड ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी ***एक*** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्ण-भाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् । अतः अस्य सुहृदः तं प्राड्विवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राड्विवाककर्म कर्तुमारभत् । विधेः प्रकृष्टज्ञानेन मधुरालापेन उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राणां न्यायाधीशाञ्च सम्मानभाजनमभवत् ।

अथवा

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नै अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृते नैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती' इति ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी ***एक*** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+5=7*

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

अथवा

जल-बिन्दु-निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

https://www.upboardonline.com

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी ***एक*** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : *1+1=2*

(क) अन्न-जल पूरा हो जाना

(ख) अपना ही राग अलापना

(ग) दाल में काला होना

(घ) सूरज को दीपक दिखाना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जिस प्रकार सुखी होने का प्रत्येक प्राणी को अधिकार है, उसी प्रकार मुक्तातंक होने का भी । पर कार्यक्षेत्र के चक्रव्यूह में पड़कर जिस प्रकार सुखी होना प्रयत्न-साध्य होता है उसी प्रकार निर्भय होना भी । निर्भयता के संपादन के लिए दो बातें अपेक्षित होती हैं — पहली तो यह कि दूसरों को हमसे किसी प्रकार का भय या कष्ट न हो; दूसरी यह कि दूसरे हमको कष्ट या भय पहुँचाने का साहस न कर सकें । इनमें से एक का संबंध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरुषार्थ से । इस संसार में किसी को न डराने से ही डरने की सम्भावना दूर नहीं हो सकती । साधु से साधु प्रकृतिवाले को क्रूर लोभियों और दुर्जनों से क्लेश पहुँचता है । अत: उनके प्रयत्नों को विफल करने या भय-संचार द्वारा रोकने की आवश्यकता से हम बच नहीं सकते । https://www.upboardonline.com

(क) सुखी होने के साथ और क्या होना प्रयत्न-साध्य होता है ? *1*

(ख) निर्भयता के सम्पादन के लिए क्या करना अपेक्षित है ? *2*

(ग) शील, शक्ति और पुरुषार्थ-जैसी वृत्तियों का सम्बन्ध किनसे है ? *2*

अथवा

कुछ कार्य ऐसे भी होते हैं, जो अनेक छोटे-छोटे कर्मों की समष्टि जैसे होते हैं । उदाहरणार्थ, यदि हम समुद्र के किनारे खड़े हों और लहरों को किनारे से टकराते हुए सुनें, तो ऐसा मालूम होता है कि एक बड़ी भारी आवाज़ हो रही है । परन्तु हम जानते हैं कि एक बड़ी लहर असंख्य छोटी-छोटी लहरों से बनी है । और यद्यपि प्रत्येक छोटी लहर अपना शब्द करती है, परंतु फिर भी वह हमें सुनाई नहीं पड़ती । पर ज्यों ही ये सब शब्द आपस में मिलकर एक हो जाते हैं, त्यों ही हमें बड़ी आवाज़ सुनाई देती है । इसी प्रकार हृदय की प्रत्येक धड़कन कार्य है । कई कार्य ऐसे होते हैं, जिनका हम अनुभव करते हैं, वे हमें इन्द्रियग्राह्य हो जाते हैं, पर वे अनेक छोटे-छोटे कार्यों की समष्टि होते हैं ।

(क) हृदय की प्रत्येक धड़कन को क्या कहा गया है ? *1*

(ख) छोटे-छोटे कर्मों की समष्टि से क्या तात्पर्य है ? *2*

(ग) 'इन्द्रियग्राह्य' और 'समष्टि' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए । *2*

https://www.upboardonline.com

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अनिष्ट-अनिष्ठ 1

(अ) बुरा और निष्ठा रहित

(ब) दूरस्थ और अविचल

(स) अनन्त और अन्तिम

(द) अतिरिक्त और कठोर

(ii) मात्र-मातृ 1

(अ) मंत्र और मान्य

(ब) केवल और माता

(स) मलिन और मृदु

(द) मैत्री और मुग्ध

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी ***एक*** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

(i) तात

(ii) सुरभि

(iii) शिखा

(iv) मधु

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो कम बोलता हो 1

(अ) असंवादी

(ब) मितभाषी

(स) बातूनी

(द) विवादी

(ii) जो बूढ़ा न हो 1

(अ) अमर

(ब) अजर

(स) अनन्त

(द) अनश्वर

https://www.upboardonline.com

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : *1+1=2*

(i) मैं अनेकों बार दिल्ली जा चुका हूँ ।

(ii) सीता ने पुस्तक लिखा ।

(iii) गमला मेज में रखा है ।

(iv) मैं महेश को पढ़ाया हूँ ।

12. (क) 'करुण रस' **अथवा** 'शान्त रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । *1+1=2*

(ख) 'अनुप्रास' **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

(ग) 'चौपाई' **अथवा** 'दोहा' छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए । *1+1=2*

13. बैंक-प्रबन्धक को शिक्षा ऋण के आवेदन के सम्बन्ध में पत्र लिखिए । *2+4=6*

अथवा

किसी पर्यटन-स्थल की यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए । *6*

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : *2+7=9*

(क) पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व

(ख) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ग) वर्तमान समय में नारी-शिक्षा

(घ) साहित्य और समाज का सम्बन्ध

(ङ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

https://www.upboardonline.com